Publication	Hindustan
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	24th June 2018

हिन्दुस्तान

थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए शिविर लगाया

गुरुग्राम। थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए वाटिका ग्रुप ने रक्तदान जुटाने की मुहिम शुरू की है। इसके तहत नेशनल थैलीसिमिया वेलफेयर सोसाइटी के साथ में खून इकट्टा किया जा रहा है। वाटिका होटल्स के कार्यकारी निदेशक दीपक उप्पल ने शनिवार को बताया कि 8 जून को शुरू हुए रक्तदान शिविर में अब तक 434 यूनिट रक्त एकत्रित किया जा चुका है। यह शिविर 27 जून तक चलेगा। इस शिविर का उद्देश्य सिर्फ़ रक्तदान ही नहीं बल्कि लोगों में थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता फैलाना भी है। थैलेसिमिया आनुवंशिक बीमारी है।

Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	24th June 2018

पंजाब केसरी

शिविर में 434 यूनिट रक्त किया एकत्रित

गुरुग्राम, सतबीर भारद्वाज (पंजाब केसरी) : थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो और नेशनल थैलीसिमिया वेलफेयर सोसाइटी संयुक्त रूप से मिलकर तीन सप्ताहिक रक्तदान शिविर शुरू किया। एनवायरो की ओर से ओपन रक्तदान शिविर की सारी प्रक्रिया क मोबाईल वेनेटी वैन में की जा रही है। जो की वाटिका के सभी कमर्शियल बिल्डिंग के सामने खड़ी है। इस अभियान को लोगों से बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली रही है। जिसमें अभी तक 434 यूनिट रक्त एकत्रित किया जा चूका है। एनवायरो द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य थैलेसिमिया जैसी गंभीर लाईलाज बीमारी के बारे में जागरूकता भी फैलाना है। जिसमें वाटिका के सभी वाणिज्यिक बिल्डिंग में कार्यरत कर्मचारी इसमें बढ़चढ़ रक्तदान कर रहे है। यह शिविर अभी तक विभिन्न जगहों जैसे वाटिका बिजनस पार्क, वाटिका एट्रियम, वाटिका ट्रायंगल, वाटिका टावर इत्यादि जगहों पर आयोजित किया गया। रक्तदाताओं में जूस, पानी और स्नेक्स भी वितरित किये गये।

वाटिका ट्रायंगल की एक रक्तदाता देव श्रुती ने कहा श्रक्तदान करना सबसे महान कार्यों में से एक है। क्यूंकि यह जीवन को बचाता है। वर्तमान समय में यह एक बहुत ही सुरक्षित और त्वरित प्रक्रिया है, बहुत से लोग जागरूक नहीं है। लेकिन नियमित रूप से रक्तदान करना लिवर, गुर्दे और किडनी के अच्छा रहता है। वाटिका होटल्स के कार्यकारी निदेशक दीपक उप्पल ने कहा कि यह एक महान मतदान रहा है। जिसमे वाटिका के कॉमर्शियल बिल्डिंगों के कर्मचारियों से उत्साही भागीदारी देखने को मिली। थैलेसीमिया एक गंभीर बीमारी है और हर जगह लोगो के इसके बारे में जानकारी होनी चाहिए।थैलेसिमिया आनुवंशिक बीमारी है। जो माता-पिता से बच्चों में स्थानांतरित होती है। यह एक संक्रमित व वंशानुगत रोग है। जो पीड़ी दर पीड़ी पूर्वजों से बच्चों में फैलता जाता है। इस बीमारी में रक्त की कमी वजह से मरीजों को बार-बार रक्तचढ़ाने की आवश्यकता होती है। खून की कीमत 850 रुपए से 1450 रुपए यूनिट है। जिसका बंदोबस्त आसान नहीं। लगातार रक्त चढ़ाने से रक्त में आयरन की अधिकता होती चली जाती है। जिससे लीवर, हार्ट और भी कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। साइंस ने इस बीमारी का पुख्ता इलाज निकाल लिया है। वह है बोन मैरो ट्रांसप्लांट। इस बीमारी को तभी जड़ से खत्म किया जा सकता है। जब लोग जागरूक हों।2013 के ताजा आकड़ो के मुताबिक विश्व में 280 मिलियन लोग इस बीमारी से ग्रसित है एवं 439000 बहुत गंभीर अवस्था में पहुँच चुके है। जबकि भारत में प्रति वर्ष लगभग 8 से 10 थैलेसिमिया रोगी जन्म लेते हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 225000 बच्चे थैलेसिमिया रोग से ग्रस्त हैं। बच्चे में 6 माह से18 माह के भीतर थैलेसिमिया का लक्षण प्रकट होने लगता।

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	07
Date	24th June 2018

हिन्दी दैनिक ह्यूमन इंडिया
हम रखेंगे आपकी आवाज़

एनवायरो ने थैलेसिमिया पीड़ितों के लिए किया रक्तदान शिविर का आयोजन

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो और नेशनल थैलीसिमिया वेलफेयर सोसाइटी संयुक्त रूप से मिलकर तीन सप्ताहिक रक्तदान शिविर शुरू किया एनवायरो की ओर से ओपन रक्तदान शिविर की सारी प्रक्रिया क मोबाइल वेनेटी वैन में की जा रही है जो की वाटिका के सभी कमर्शियल बिलडिंग के सामने खड़ी है इस अभियान को लोगों से बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली रही है जिसमें अभी तक 434 यूनिट रक्त एकत्रित किया जा चूका है एनवायरो द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य थैलेसिमिया जैसी गंभीर लाईलाज बीमारी के बारे में जागरूकता भी फैलाना है, जिसमें वाटिका के सभी वाणिज्यिक बिलडिंग में कार्यरत कर्मचारी इसमें बढ़-चढ़कर रक्तदान कर रहे है। यह शिविर अभी तक विभिन्न जगहों जैसे: वाटिका बिज़नस पार्क, वाटिका एट्रियम, वाटिका ट्रायंगल, वाटिका टावर इत्यादि जगहों पर आयोजित किया गया रक्तदाताओं में जूस, पानी और स्नेक्स भी वितरित किये गये।

वाटिका ट्रायंगल की एक रक्तदाता देवश्रुती ने कहा रक्तदान करना सबसे महान कार्यों में से एक है क्यूंकि यह जीवन को बचाता है वर्तमान समय में यह एक बहुत ही सुरक्षित और त्वरित प्रक्रिया है बहुत से लोग जागरूक नहीं है लेकिन नियमित रूप से रक्तदान करना लिवर, गुर्दे और किडनी के अच्छा रहता है मै इस पहल के लिए एनवायरो को धन्यवाद देती हु

जिन्होंने इस तरह के पहल की। वाटिका होटल्स के कार्यकारी निदेशक दीपक उप्पल ने कहा कि यह एक महान मतदान रहा है जिसमे वाटिका के कॉमर्शियल बिलडिंगों के कर्मचारियों से उत्साही भागीदारी देखने को मिली थैलेसीमिया एक गंभीर बीमारी है और हर जगह लोगो के इसके बारे में जानकारी होनी चाहिए। थैलेसिमिया आनुवंशिक बीमारी है, जो माता-पिता से बच्चों में स्थानांतरित होती है। यह एक संक्रमित व वंशानुगत रोग है जो पीड़ी दर पीड़ी पूर्वजों से बच्चों में फैलता जाता है इस बीमारी में रक्त की कमी वजह से मरीजों को बार-बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है चूँकि खून की कीमत 850 रुपए से 1450 रुपए यूनिट है, जिसका बंदोबस्त आसान नहीं। लगातार रक्त चढ़ाने से रक्त में आयरन की अधिकता होती चली जाती है, जिससे लीवर, हार्ट और भी कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। साइंस ने इस बीमारी का पुख्ता इलाज निकाल लिया है, वह है बोन मैरो ट्रांसप्लांट। इस बीमारी को तभी जड़ से खत्म किया जा सकता है, जब लोग जागरूक हों। 2013, के ताज़ा आकड़ों के मुताबिक विश्व में 280 मिलियन लोग इस बीमारी से ग्रसित है एवं 439,000 बहुत गंभीर अवस्था में पहुँच चुके हैं जबकि, भारत में प्रति वर्ष लगभग 8 से 10 थैलेसिमिया रोगी जन्म लेते हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 2,25,000 बच्चे थैलेसिमिया रोग से ग्रस्त हैं। सामान्यत: बच्चे में 6 माह से18 माह के भीतर थैलेसिमिया का लक्षण प्रकट होने लगता है।